कोरोना होली

होली के रँगों के सँग
उड़ती रही गुलाल,
गोपियाँ राधा को पुछे
उसके मन का हाल,
कन्हैया की सुन बंशी
हो गई राधा बेहाल,
उसकी उड़ती चुनरी भी
पीली हरी और लाल,
उल्लसित होकर आशा से
रँगों का होता धमाल,
कोरोना सँग मत खेलो होली
जन जन की यही पुकार,
हुड़दंग मचाने वालों को
देंगे गुलाल का उपहार,
गाली गाकर ढोल बजाकर
अब नाच रहा संसार,
पीला नीला लाल आसमानी
भंग पीकर हुवे रूहानी,
झूमती आई मस्तों की टोली
सँग लाई रंगों की झोली,
अब कोरोना से बचने के लिए
हम पानी नही गिराएंगे,
हाथ जोड़कर तिलक लगाकर
दूर रहकर होली खेलेंगे,
मास्क लगाकर घर मे रहकर
हाथों को हरदम धोयेंगे,
सब नियमो का पालन करके
कोविड से जीवन बचाएंगे,

न्यायाधिपति गोपाल कृष्ण ब्यास
अध्यक्ष
राज्य मानवाधिकार आयोग जयपुर